ला पिला दे साकिया,पैमाना पैमाने के बाद
होश की बातें करूंगी,होश में आने के बाद
1- कूदते थे अर्श में,.
तेरे इश्क के बल पे हम
न रहा वो इश्क तेरा,
अर्श से आने के बाद
2- न रहा वोह तन हमारा,
न अकल न होश है
इश्क लायें अब कहां से,
तुझसे बिछुड़ जाने के बाद
3- इम्तहां लेते हो क्यूं,
हम तो इस काबिल नहीं
हार अपनी मानी हमने,
खेल में आने के बाद
4-निसवत जानी बाजू पकड़ा,
गुरेज़ क्यों फिर इश्क से
क्या पिलाओगे जाम अपना,
दम निकल जाने के बाद

Nijanand App